Threading / Eyebrow Shaping — अभ्यास 1.3.03

थ्रेडिंग / आईब्रो सेपिंग

उददेश्य - हम इस अभ्यास के अंत में सीखेगें

1 थ्रेडिग और थ्रेडिंग के उददेश्य को परिभषित करने में सक्षम होंगे

2 विभिन्न प्रकार की भौं के आकार को परिभाषित करते है।

3 भौं को आकार देने के तरीको को परिभाषितकरें

4 भौं को आकार देने की प्रक्रियो का वर्णन

5 कन्ट्रा एक्शन और कन्ट्रा इन्डीकेशन का निर्धारण

6 थ्रेडिग से सम्बन्धित सावधानीयां और बाद में देखभाल की जानकारी

Therading थ्रेडिंग - थ्रेडिंग भौंहो को आकार देने के लिए सबसे आम प्रक्रिया और सबसे अच्छा तरीका है

यह एक चाइनीज तकनीक है जिससे बालों को हटाना आसान बनाने के लिए आइब्रो के आस पास की त्वचा को टाइट किया जाता है थ्रेडिंग करने के लिए एक 40 न. का धागा प्रयोग होता है जो कि कपास का बना होता है

Purpose of Threading थ्रेडिग का उददेश्य

आइब्रो चेहरे का एक मुख्य हिस्सा होता है थ्रेडिग का उददेश्य चेहरे की सुंदरता बढाना है

Describe Different types of eyebrow shapes

आइब्रो शेप के प्रकार

आइब्रो शेप आठ प्रकार की होती है

1 राउण्ड

2 नैरो

3 सोपहिसीटकेटेड

4 सेडक्टिव

5 एक्सोटिव

6 ग्रेजुअल

7 पीक

8 स्लीक

Method of eye brow Shaping

आइब्रो शेपिंग की विधि

आइब्रो प्लकिंग थ्रेडिग और वैक्सिंग तीन अलग अलग विधियां है आइब्रो शेपिंग के लिए

1 आइब्रो प्लकिंग - इस विधि में प्रत्येक बाल को चिमटी के ब्लेड के बीच में पकडकर बालो के विकास की दिशा में जल्दी और झटके से खींच कर निकाला जाता है त्वचा को पिंच करने से बचने के लिए इस क्षेत्र को बाएं हाथ की पहली उंगली और अंगूठे से टाइट करना चाहिए।

Eyebrow Threading आइब्रो थ्रडिंग

आइब्रो शेपिंग के लिए थ्रेडिंग सबसे आम प्रक्रिया है आइब्रो को आकार देने के लिए सये हसबसे अच्छी विधि है यह एक चाइनीज तकनीक है थ्रडिग करते हसमय आइब्रा के आसपास की त्वचा को टाइट पकडते हुये थ्रडिग करने से बाल आसानी से निकलते है और त्वचा के काटने का भय नही रहता है

चित्र 2

Eye brow Waxing आइब्रो वैक्सिंग

इस विधि मे फेस वैक्स को आधिकतम तापमान तक गर्म किया जाता है और तापमान चैक करके सावधानी से बालों की दिशा में लगाया जातमा है जैसे ही ये सूखने लगाता है इसे बालो की विपरीत दिश में निकाल दिया जाता है।

Procedure Of Eyebrow Shaping fig 3

आइब्रो शोपिंग की प्रक्रिया

1 सर्वप्रथम फोरहैड पर बिखरे बालो को हैड बैंड से पीछे की तर फ बाधेगे ताकि वह आइब्रोशेपिंग के समय बाधा न पहुचांये

2 क्लांइट के कपडो की सुरक्षा के लिए चिन के नीचे एक टावेल लागयेगे

3 क्लीजिंग मिल्क या कोई मेकअप रिमूवल लोशन माथे और आइब्रो के पास वाले हिस्से पर लगाकर इसे साफ करें।

4 अब चिकनाई को हटाने के लिए पाउडर का प्रयोग करें

5 बाल विकास पैटर्न की जांच की जानी चाहिए

6 बाई आइब्रो से शुरू करें मध्य और आइब्रो के उपर के बाल थ्रेड की सहायता से निकाले

7 बाद में आइब्रो के निचले भाग के बाल निकाल करे शेपिंग करें

8 अब दायी आइब्रो पर सही विधि दोहरायें

9 आइब्रो शेपिंग के बाद एस्ट्रेजेण्ट लगाये और या मोइश्चराइजिंग लोशन से हल्की हल्की मासाज करें

कन्ट्रा एक्शन का निर्धारण

1 नाजुक ढीली त्वचा

2 कटस या चोट

3 छोटे सफेद सिर या छत्ते के प्रकार

4 त्वचा का नुकसान संभव

5 एक चोट संभव है

कन्ट्रा इंडीकेशन

1 सनबर्न

2 निशान

3 ढीली नाजुक त्वचा

4 अंतर्विर्धित बाल

आफटर केयर (बाद की देखभाल)

थ्रेडिंग के बाद छोडे गये स्ट्रगल वालेबालो को प्लकर की प्रयोग करआसानी से बाहर निकाला जा सकता है बाद में टी ट्री आयल के समान सुखदायक बाम का प्रयोग करें आपको कई घंटो के लिए प्रत्यक्ष सूर्य का प्रकाश एसिड आधारित चेहरे के उपचार और तरल मेकअप से बचपा चाहिए।

भव्य नये आइब्रो के आकार पर जोर देने के लिए प्राकृतिक टोन की आइब्रो पेसिंल का प्रयोग करें

TWEEZING (ट्वीजिंग) Exercise 1.3.04

उददेश्य इस पाठ के अंतमे आप सक्षम होगे

1 ट्वीजिंग को परिभाषित करें

2 ट्वीजिंग के उददेश्य को परिभषित करना

3 ट्वीजिंग के प्रकारों का वर्णन

4 ट्वीजिंग की प्रक्रिया की व्याख्या करे

5 कॉन्ट्रा एक्शन और कॉन्ट्रा इंडीकेशन का निर्धारण

6 ट्वीजिंग के बाद देखभाल का निर्धारण

Tweezing - चिमटी व्यक्तिगत बाल की छोटी मात्रा को हटाने का एक शानदार तरीका है चिमटी जयादातर भौहो को आकार देने के लिए इस्तेमाल की जाती है

Purpose of Tweexzing ट्वीजिंग के उददेश्य

आइब्रो चेहरे का एक मुख्य हिस्सा है ट्वीजिंग का उददेश्य चेहरे की सुदरता बढाना है आपकी भौहो का आकार आपके चेहरे के आकार की विशेषताओ को संतुलित करके आपकी उपस्थिति को बढा सकता है

विभिन्न प्रकार के ट्वीजर का वर्णन ट्वीजर दो प्रकार के होते है

1 मैनुअल ट्वीजर

2 इलैक्ट्रिक ट्वीजर

1 मैनुअल ट्वीजर - यह विभिन्न प्रकार की शैली में आता है आप अपनी सुविधानुसार इसका प्रयोग कर सकते है चित्र 1

2 इलैक्ट्रिक ट्वीजर - बालों को हटाने के तरीको मे से एक इलैक्ट्रिक ट्वीजर भी एक विधि है जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है कि बालों को खीचने के लिए विघुत आवेशित चिमटी का उपयोग किया जाता है क्योकि प्रत्येक बाल को व्यक्तिगत रूप से हटाना चाहिए जैसे कि साधारण चिमटी के साथ यह गति धीमी है कुछ निर्माता का दावा है कि बालो को स्थायी रूप से हटा दिया जाता है

लेकिन यह सच नही है चित्र 2

Procedure (प्रक्रिया)

1 आइब्रो के आस पास के क्षेत्र को एंटीसेप्टिक लोशन से साफ करें

2 अब इस क्षेत्र को सुखांए और उस पर पाउडर लागाएं

3 नमी युक्त आई पैड को आंखो के ऊपर रखं

4 एक काटन पैड को गीला करे और बायें हाथ की अपनी तर्जनी पर रिंग की तरह रखे इस अंगूठी के शीर्ष पर चिमटी के बाल रखे जाने है

5 ट्वीजिंग शुरू करें बायें हाथ की तर्जनी और मध्यमा ऊगंली के बीच में फैलाकर त्वचा को एक हाथ से पकडें बालों को बढने की दिशा में दूसरे हाथो से बालों को चिमटी से पकडकर ट्वीज करें।

6 भौंहो के ऊपर के अतिरिक्त बालों को हटा दें

7 अब भौहो के नीचे के अतिरिक्त बालों को हटा दें

8 अब आइब्रो के असापास के स्थान को डसिटग ग्रश के साफ करेंऔर आइब्रो के आस पास एण्टीसेप्टिक लोशन लगायें।

ध्यान देने योग्य कॉन्ट्रा एक्शन -

1 कट्स लग जाये

2 त्वचा को नुकसान हो सकता है

3 चोट लग जाये

ध्यान देने योग्य कांन्ट्रा इण्डीकेशन

1 ढीली नाजुक त्वचा

2 आइब्रो मे अंतर्वधित बाल

3 कट्स या निशान

आफटर केयर - बाद की देखभाल

टी ट्री आयल की तरह आरामदायक बॉम का प्रयोग करें सूर्य की सीधी रोशनी से बचे एसिड बेस फेशियल उपचार और लिक्विड मेकअप से कई घंटो तक बचना चाहिए।

उददेश्य इस पाठ के अंत में हम सीखेंगे

1 आप ब्लीचिंग और इसके प्रकारो को परिभाषित करने में सक्षम होगे

2 बलीचिंग का उदेश्य बताइये

3 ब्लीचिंग का महत्व बताइये

4 ब्लीचिंग की प्रक्रिया के बारें मे बताये

5 ब्लीचिंग के कन्ट्रा एक्शन और इण्डीकेशन का निर्धारण

6 ब्लीचिंग के बाद की देखभाल का निर्धारण

परिभाषा (Defintion)

ब्लीचिंग - ब्लीचिंग का मुख्य कार्य त्वचा के बालो के रंग को हल्का करके त्वचा के रंग से मेल करता होता है साथ ही त्वचा के रंग को भी हल्का करता है

जब ब्लीच के मिक्सचर को बालो पर लगाया जाता है तो यह बालो की कोर्टेक्स लेयर में प्रवेश कर बालो के मैलालिन को ऑकसीकृत करता है जिससे ऑक्सीमैलोन बनाता है जब बालो को ब्लीच किया जाता है तो यह काले से सफेद रंग मे हल्के होने के लिए सात चरणो से गुजरता है ये चरण है

काला - गहरा भूरा - लाला - सुनहरा लाल - पीला हल्का पीला - सफेद

Types of method of bleaching ब्लीव के प्रकार व प्रयोग

powder Bleach पाउडर ब्लीच

पाउडर ब्लीच बनाने के लिए मैग्नीशियम कार्बोनेट या अमोनिया कार्बोनेट का उपयोग किया जाता है इस पाउडर मे हाइड्रोजन पर आक्साइड को तरल रूप से मिलाया जाता है और 34 बूद आमेनिया मिलाकर पेस्ट तैयार किया जाता है इस ब्लीच को त्वचा पर ब्रश की सहायता से लगाया जाता है 10-15 मिनट बाद इसे सादे पानी से धो दिया जाता है इसका प्रयोग फुल बाडी ब्लीच करने के लिए किया जाता है ब्लीच तैयार करने के लिए प्लास्टिक या कॉच के बाउल का प्रयोग करें।

चित्र 1

Cream Bleach - यह आमतौर पर प्रयोग की जाने वाली ब्लीच है इसे कई कम्पनियों द्वारा निर्मित किया जाता है इस ब्लीच के पैक मे क्रीम और एकटीवेटर होता है एक चम्मच क्रीम और12 चुटकी एक्टीवेटर को मिलाकर चेहरे के और लिए ब्लीच पर पैच टेस्ट अवश्य कर लेना चाहिए चित्र 2

ऑयल ब्लीच - इस ब्लीच में सफोनेटेड आयल का प्रयोग किया जाता है यह अधिक मंहगे होते है इसलिए इनका प्रयोग प्रायं कम किया जाता है इसे प्रयोग करने के लिए आयल में एक्टीवेटर मिलाते और त्वचा पर लगाते है तत्पशचात कुछ समय बाद ब्लीच को साफ किया जाता है यह अत्यधिक रूखी त्वचा और सेन्सिटिव त्वचा के लिए उपयुक्त मानी जाती है

4 लिक्विड ब्लीच - लिक्विड ब्लीच बनाने के लिए लिक्विड हाड्रोजन पर आक्साइड मे अमोनिया की कुछ बूंदे मिलाकर सीधे त्वचा पर लगाया जाता है कुछ समय पश्चात इसे साफ पानी से धो दिया जाता है ज्ञान के अभार में यह ब्लीच कभी कभी त्वचा को नुकसान भी पहुंचा देती है

चित्र 3

ब्लीच के उददेश्य - ब्लीच का उपयोग करने के विभिन्न उददेश्य जैसे

1 चेहरे या शरीर के बालो के रंग को हल्का करने के लिए

2 सन टैनिंग दूर करने के लिए

3 मूल कोशिकाओ को हटाने के लिए

पैच टेस्ट - ब्लीच का प्रयोग क्लांइट पर करने से पूर्व एल्र्जी की जांच करने के लिए एक पैच टेस्ट की आवश्यकता होती है यह ब्लीच करने से 24 घंटे पूर्व करना चाहिए पैच टेस्ट यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है कि त्वचा

ब्लीच के लिए उपयुक्त है या नही यह एक अनिवार्य परीक्षण है

इस परीक्षण को करने के लिए बलीच क्रीम छोटी मात्रा मे एक्टीवेटर मिलाकर बाजु के फोल्डिंग भाग या कान करें पीछे लगाया जाता है क्रीम लगाकर 10-15 मिनट तक प्रतीक्षा करें अगर हल्की झुनझुनाहट है तो कोई बात नही है अगर गंभीर जलन या खुजली हो तो क्रीम तुरत साफ कर दें।

अगर 24 घंटे बाद तक त्वचा पर किसी भी प्रकार की एलर्जी जैसे लाल चकते खुजली रैशेज त्वचा मे लालिमा छोटे छोटे दानें आदि न हो तो क्लांइट पर बलीच का प्रयोग किया जा सकता है। चित्र 4

Fig.4

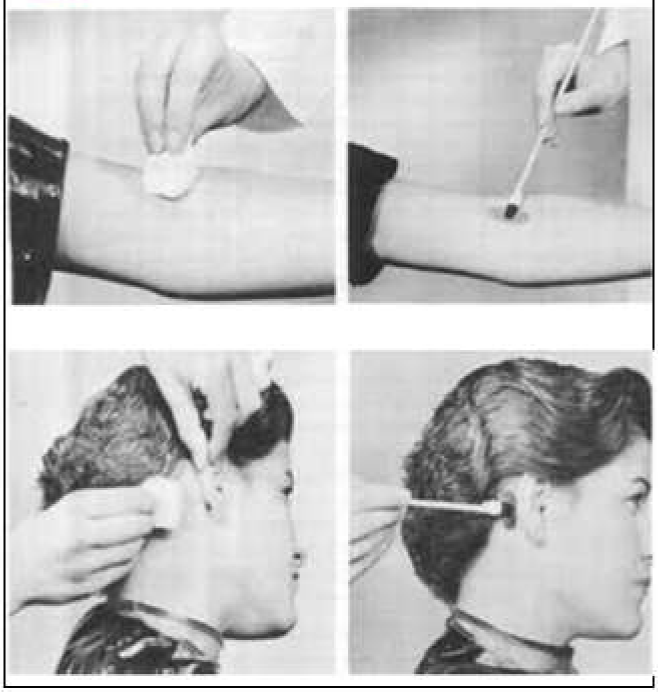

Client Consultion ग्राहक परामर्श

एक कास्मैटोलॉजिस्ट को सर्वप्रथम क्लांइट से बात करके उसकी इच्छा को पूछना चाहिए कि वह किस प्रक्रिया को करवाने का इच्छुक है साथ ही यह भी बताये कि उसकी त्वचा के लिए कौन सा प्रकार सर्वोत्म साधन है इसके पश्चात क्लांइट को सही व गलत के साथ साइड इफैक्ट के विषय में भी विचार विमर्श करना चाहिए तथा अंत में निर्णयानुसार कार्य सम्पन्न करना चाहिए।

Product Knowelege

उत्पाद ज्ञान

एक कास्मैटोलाजिस्ट को प्रत्येक को सम्पन्न करने के लिए जरूरत पडने वाले उत्पादो का ज्ञान अवश्य होना चाहिए तथा साथ ही साथ आवश्यक उपकरणो के प्रयोग की जानकारी रखना भी अनिवार्य है ब्लीचिंग के लिए क्रीम ब्लीच ब्रश हैड बैण्ड काटन स्पैचुला एंव बाउल की आवश्यकता के साथ टावल टिशु गुलाव जल डस्टबिन ट्राली क्लांइट चेयर टाइमर आदि की आवश्यकता भी होती है कास्मैटोलॉजिस्ट को उत्परद ज्ञान के साथ साथ उसके साइड इफैक्ट का भी पता होना चाहिए जिससे किसी भी प्रकार का रिएक्शन एंव एलर्जी होने की स्थिति मे वह शीघ्रता से क्लांइट को उपचार दे सकें इस प्रकार क्लांइट पर कॉस्मैटोलॉजिस्ट का अच्छा प्रभाव पडता है।

Procedure Of Bleaching (ब्लीचिंग की प्रक्रिया)

1 सर्वप्रथम क्लांइट को चेयर पर आराम से बैठायें

2 चेहरे को क्लीजिंग मिल्क से साफ करें हैड बैड वा टॉवल लगाये

3 आवश्यकतानुसार ब्लीच तेयार करें

4 ब्लीचिंग ब्रश की सहायता से ब्लीच गर्दन व चेहरे पर समान रूप में लगायें

Fig 5

5 ब्लीच लगाते समय आंख आइब्रो होठ वे हेयर लाइन के आस पास का एरिया छोड दें।

6 आंखो पर दो कॉटन के पीस गुलाब जल लगाकर आंखो पर रखें ताकि तेज प्रभाव आंखो पर न पडे

7 10 - 15 मिनट के बाद जांच करते रहे ताकि ओवर ब्लीच न हो जाये

8 इच्छानुसार ब्लीच हो जाने के बाद चेहरे व गर्दन की ब्लीच को साफ कर देंगे

9 त्वचा के अनुसार चेहरे पर ब्लीच लगायेंगे

10 पैक हटाने के बाद मॉइश्चराजर व सन स्क्रीन लोशन लगायेगे

ध्यान देने योग्य कॉन्ट्रा एक्शन -

1 हल्की जलन / खुजली

2 त्वचा पर लालिमा

3 आंखे मे लालिमा पानी

4 जलन चकते

5 त्वचा का सूखापन

ध्यान देने योग्य कॉन्ट्रा इण्डीकेशन

1 पतली या नाजुक त्वचा

2 सूजन सनवर्ण

3 मस्से

4 कट रैशेज

5 संक्रामक त्वचा रोग जैसे फगल संक्रमण

6 आंखो का संक्रमण

Safety Precaution

सुरक्षा एंव सावधनियां

1 प्रक्रिया शुरू करने से पहले मेकअप साफ करें

2 पहली बार ब्लीच करने से पहले २४-४८ घंटे पूर्व पैच टैस्ट अवश्य करें

3 कन्ट्रा इण्डीकेशन है तो ब्लीच न करें

4 कन्ट्रा एक्शन मे तुरन्त कोल्ड कम्प्रेशन उपचार दे

5 वैक्सिंग व थ्रेडिग के बाद ब्लीज न करें

6 ब्लीच लगाने के 8 घंटे तक साबुन या फेशवाश का प्रयोग न करें

7 ब्लीच कराकर धूप के संपर्क मे न रहे

8 ब्लीज करने सेपूर्ण त्वचा अवश्य साफ करे

9 ब्लीच हटाने के लिए सादे पानी मे भीगे हुये स्पंज कॉटन टावेल का ही प्रयोग करें

आफॅटर केयर होम केयर

ब्लीच के पश्चात क्लांइट को मलना व रगडना नही चाहिए ब्लीच की प्रक्रिया के बाद मसाज क्रीम से हल्की हल्की मसाज करनी चाहिए अन्यथा त्वचा शुषक हो जाती है क्लाइट को धर जाकर धूप से व ब्लीच वाले स्थान पर साबुन लगाने से बचना चाहिए क्योकि ऐसा करने से त्वचा लाल होने व खुजली की समस्या हो सकती है अगर आवश्यकाता हो तो धर पर कोल्ड कम्प्रेशन करनाचाहिए।